ग्रेटर टुनब, लेसर टुनब और अबू मूसा द्वीप

स्रोत: इकोनॉमकि टाइम्स

हाल ही में **ईरान** ने चीन के राजदूत को बुलाकर अबू मूसा, ग्रेटर टुनब और लेसर टुनब द्वीपों की संप्रभुता के संबंध में **चीन तथा संयुक्त अरब अमीरात (UAE)** द्वारा दिये गए संयुक्त बयान पर विरोध दर्ज़ कराया।

- ये **ईरान और संयुक्त अरब अमीरात** के बीच छोटे विवादित द्वीप हैं, जो **फारस की खाड़ी** में **होर्मुज़ जलडमरूमध्य** के प्रवेश द्वार पर स्थित हैं।
- ईरान दावा करता है कि ये द्वीप ऐतिहासिक रूप से फारसी क्षेत्र का हिस्सा थे, जब तक कि **20वीं सदी के आरंभ में** उन पर ब्रिटिशों ने कब्ज़ा नहीं कर लिया।
- **वर्ष 1971 में** ब्रिटिश सेना के वापस चले जाने के बाद ईरान ने इन तीनों द्वीपों पर नियंत्रण कर लिया और इन्हें अपना अभिन्न अंग मान लिया।
- UAE के अनुसार, ये **द्वीप रास अल-खैमाह अमीरात के थे,** जब तक कि ईरान ने कथित तौर पर वर्ष **1971 में ब्रिटेन से UAE की आज़ादी से पहले अमीराती संघ** के गठन से कुछ दिन पूर्व उन्हें बलपूर्वक ज़ब्त नहीं कर लिया था।

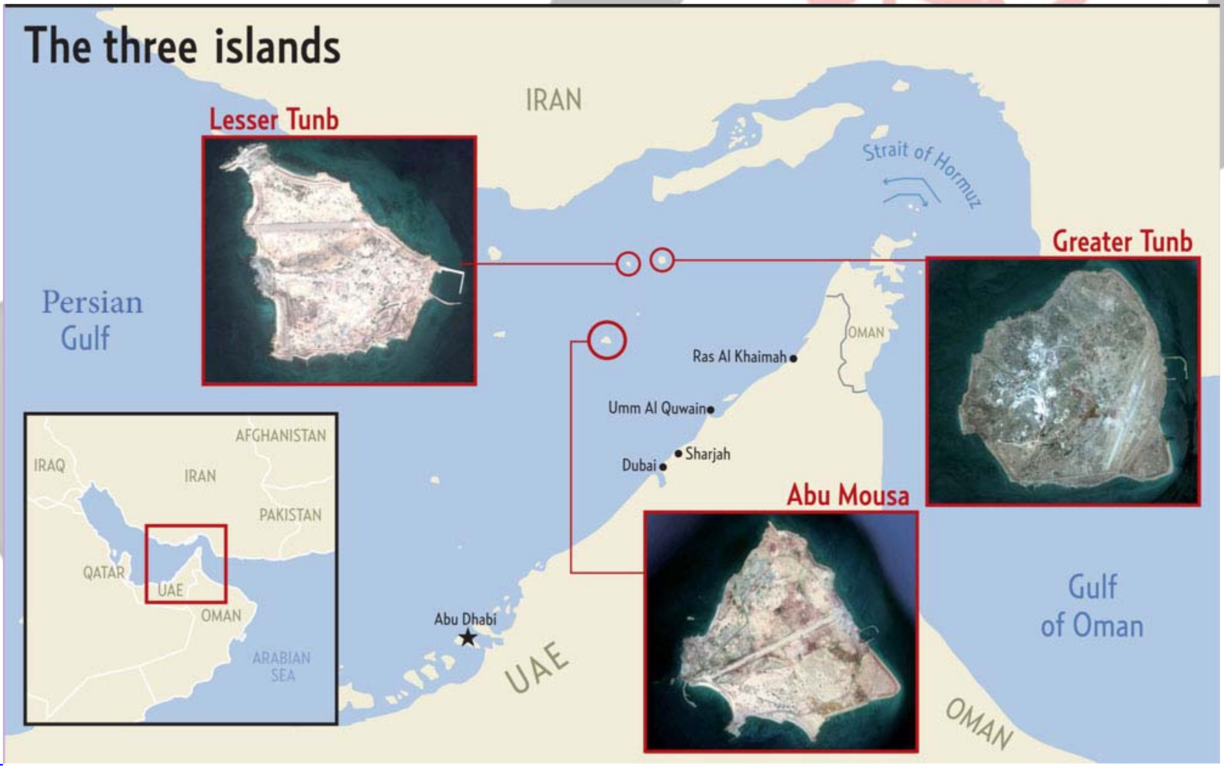

//

और पढ़ें: विवादित फारस की खाड़ी द्वीप समूह